संकट | By Avdesh Sawan

बालाजी संकट काटे जी, बालाजी संकट काटे जी
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

मेहंदीपुर दरबार में आके जो भी अर्ज़ी लावे
मेरा बाबा घाटे आला सबके संकट दूर भगवे
किसी ने कोन्या नाटे जी, किसी ने कोन्या नाटे जी
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

बाबा समाधी आले के भी भगत लगावे फेरी
प्रेतराज सरकार के संग भैरव की लगे कचेहरी
जो इसके पर्चे छांटे जी जो सबके पर्चे छांटे जी
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

भीमसेन मत फिकर करे तेरा भी नंबर आवे
जब लगे आरती का छींटा तेरा सारा रोग कट जावे
हाँ क्यूँ ना दिल में डांटे जी, हाँ क्यूँ ना दिल में डांटे जी,
इसके सोटे के आगे संकट धरती चाटे जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%9f-by-avdesh-sawan/